Name of Paper : दैनिक भास्कर राष्ट्रीय संस्करण

Published at : दिल्ली - फरीदाबाद

Dated : 27 JUN 2007

दुनियाभर में 20 करोड़ लोग नशीले पदार्थों की गिरफ्त में

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक एशियाई देशों में अफीम से बनने वाले मादक पदार्थों के उपयोग में वृद्धि।

एजेंसी. न्यूयॉर्क

दुनियाभर में हर साल 20 करोड़ लोग मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। कोकीन, अफीम और इनसे बनने वाले हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों की सबसे ज्यादा खपत है।

पांच फीसदी जनसंख्या शिकार : संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल 15 से 64 वर्ष की उम्र के पांच फीसदी लोग मादक पदार्थों का उपयोग करते हैं। हालांकि अच्छी बात यह है कि इनमें से बहुत कम लोग ऐसे हैं जिन्हें नशेड़ियों की श्रेणी में रखा जा सकता है।

यूरोप व एशिया में अफीम का राज : संयुक्त राष्ट्र की मादक पदार्थ व अपराध संबंधी संस्था (यूएनओडीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप व एशिया में अफीम मुख्य मादक पदार्थ है जबकि दक्षिण अमेरिका में मादक पदार्थ लेने वाले ज्यादातर लोग कोकीन के शिकार पाए जाते हैं। अफ्रीका में नशे की आदत भांग के उपयोग तक सीमित है।

दस लाख लोग हेरोइन के आदी : अफीम से बनने वाले मादक पदार्थों का उपयोग करने वाले आधे एशिया के हैं और इसमें भी सर्वाधिक संख्या अवैध रूप से मादक पदार्थ ले जाने के रास्ते में पड़ने वाले क्षेत्रों में है। मध्य एशिया में करीब तीन लाख लोग मादक पदार्थों के आदी हैं। दुनिया में करीब 10 लाख लोग हेराइन का उपयोग करते हैं।

भारत में रिकॉर्ड वृद्धि : पदार्थ की तस्करी के रास्ते में पड़ने वाले क्षेत्रों में नशे की बढ़ती आदत के बावजूद 2006 के बाद से दुनियाभर में इन पदार्थों का बाजार स्थिर है। हालांकि रिपोर्ट ध्यान दिलाती है कि

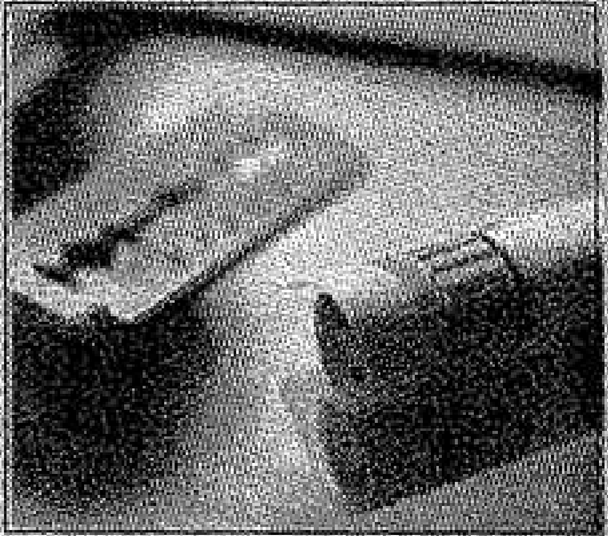

भारत, ईरान व पाकिस्तान जैसे एशियाई देशों और अफ्रीका, यूरोप व रूस के कुछ हिस्सों में पिछले दशक में हेरोइन के उपयोग में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है। इनमें से कई क्षेत्रों में गरीबी और एचआईवी का अधिक संक्रमण है जिसके कारण लोगों के मादक पदार्थों के चंगुल में फंसने की आशंका ज्यादा रहती है।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था के मुताबिक भारत में कोकीन का उपयोग बढ़ने से एशिया में उपयोग के स्तर में बढ़ोतरी देखी गई है। अन्यथा एशिया के ज्यादातर भागों में कोकीन का उपयोग बहुत ही कम होता है।

अफ्रीका खासतौर पर पश्चिम अफ्रीका में 2006 में कोकीन का उपयोग बढ़ा। इसी प्रकार ब्रिटेन व इटली में भी इसके बढ़ते चलन की रिपोर्टें हैं। हालांकि रिपोर्ट में जोर दिया गया है कि वैश्विक स्तर पर भांग, कोकीन, एम्फेटेमाइन्स और एक्स्टसी के उत्पादन व खपत में ठहराव आया है।

अफगानिस्तान में अफीम उत्पादन बढ़ा : अफगानिस्तान इसका अपवाद है जहां अफीम का उत्पादन बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण देश की सुरक्षा के साथ दुनियाभर में अफीम का दुरुपयोग रोकने के प्रयासों को खतरा पैदा हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 1990 में वैश्विक स्तर पर अवैध अफीम को पकड़ने की दर सिर्फ नौ फीसदी थी। 1995 में यह दर 15, 2000 में 21 और 2005 में 26 फीसदी हो गई। जाहिर है विभिन्न देशों में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के प्रयासों में तेजी आई है।

पाक में अफीम का रकबा घटा : पाकिस्तान में अफगानिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में अफीम की खेती होती है। 2006 तक अफीम की पैदावार वाले क्षेत्र में 59 फीसदी कटौती हुई। अब वहां सिर्फ 1545 हेक्टेयर में ही अफीम उगाई जाती है।

एचआईवी संक्रमण बढ़ा : रिपोर्ट के मुताबिक इंजेक्शन के जरिये मादक पदार्थों का उपयोग बढ़ने से भारत, इंडोनेशिया, ईरान, लिबिया, पाकिस्तान, स्पेन, यूक्रेन, उरुग्वे और वियतनाम जैसे देशों में एचआईवी के संक्रमण में तेजी आई है। यही कहानी चीन, मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप के कई देशों की है।